अभ्यास पत्रक

पाठ – दिये जल उठे

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

अपठित गद्यांश प्रश्न (1 अंक प्रत्येक)

रात बारह बजे महिसागर नदी का किनारा भर गया। पानी चढ़ आया था। गांधी झोपड़ी से बाहर निकले और घुटनों तक पानी में चलकर नाव तक पहुँचे। 'महात्मा गांधी की जय', 'सरदार पटेल की जय' और 'जवाहरलाल नेहरू की जय' के नारों के बीच नाव रवाना हुई जिसे रघुनाथ काका चला रहे थे। कुछ ही देर में नारों की आवाज नदी के दूसरे तट से भी आने लगी। ऐसा लगा जैसे वह नदी का किनारा नहीं बल्कि पहाड़ की घाटी हो, जहाँ प्रतिध्वनि सुनाई दे।

1. गांधी जी ने नदी तक कैसे पहुँचा?

उत्तर - .....

.....

2. नाव कौन चला रहा था?

उत्तर - .....

.....

3. नारे किसके सम्मान में लगाए जा रहे थे?

उत्तर - .....

.....

अभिकथन-तर्क प्रश्न और बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक प्रत्येक) सही विकल्प पर चिन्ह लगायें

4. अभिकथन (A): गांधीजी को नदी पार करने में कोई कठिनाई नहीं हुई।
   तर्क (R): रास्ता पूरी तरह समतल और रोशनी से भरा था।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
5. अभिकथन (A): गांधीजी ने धर्मयात्रा को साधना की तरह निभाया।
   तर्क (R): उन्होंने कठिन रास्ता पैदल चलकर पार किया और वाहन का प्रयोग नहीं किया।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
6. महिसागर नदी पार कराने के लिए नाव किसने खरीदी?
   (A) पटेल ने (B) गांधीजी ने (C) रघुनाथ काका ने (D) गोपालदास ने
7. गांधीजी को लोगों ने क्या नाम दिया?
   (A) राष्ट्रपिता (B) निषादराज (C) कर्मयोगी (D) सत्याग्रही
8. गांधीजी के लिए झोपड़ी कहाँ तैयार की गई थी?
   (A) मंदिर में (B) गाँव के बीच (C) नदी के तट पर (D) सभा भवन में
9. दिये जलाने का उद्देश्य क्या था?
   (A) सजावट (B) नदी मार्ग दिखाना (C) उत्सव (D) सुरक्षा
10. नदी पार करने का समय क्यों बदला गया?
    (A) गर्मी के कारण (B) रात में ठंड थी (C) दलदल कम हो (D) कम लोग देखें

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक प्रत्येक)

11. गांधीजी ने नाव पर चढ़ने से पहले क्या किया?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

12. रघुनाथ काका को सत्याग्रहियों ने क्या उपाधि दी और क्यों?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

13. महिसागर के दोनों किनारों का दृश्य कैसा था?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

14. गांधीजी की यात्रा में जनता का समर्थन किस प्रकार स्पष्ट होता है? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक)

15. 'जन सहयोग से महान कार्य संभव हैं' – इस विषय पर 100–120 शब्दों में निबंध लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

eGyanArchive

उत्तर कुंजी

1. दांडी यात्रा की तैयारी के सिलसिले में।
2. लोगों के अनुरोध पर।
3. कलेक्टर शिलिडी ने, बदले की भावना से।
4. (C)
5. (A)
6. (B)
7. (A)
8. (C)
9. (D)
10. (A)

11. गांधीजी ने नाव पर चढ़ने से पहले नदी के किनारे खड़े होकर हाथ जोड़कर प्रार्थना की और भगवान से आशीर्वाद माँगा, ताकि उनका कार्य सफल हो और सत्य की विजय हो।

12. सत्याग्रहियों ने रघुनाथ काका को "संघर्ष का पितामह" कहा क्योंकि उन्होंने वृद्धावस्था और बीमारी के बावजूद सत्याग्रह में भाग लिया और अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े रहे।

13. महिसागर के दोनों किनारे लोगों से भरे हुए थे। जनसमूह गांधीजी की एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़ा था। सभी के चेहरों पर उत्साह, श्रद्धा और देशभक्ति का भाव दिखाई दे रहा था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक):

14. गांधीजी की यात्रा में जनता का समर्थन अत्यंत स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। जब वे महिसागर पार करने जा रहे थे, तो हजारों लोग दोनों किनारों पर एकत्र थे। सब उनकी एक झलक पाने को उत्सुक थे। लोग अपने तमगे, उपाधियाँ और सरकारी मान-सम्मान लौटा रहे थे। दरबारों, किसानों, वृद्धजनों, स्त्रियों और युवाओं ने उनके नेतृत्व को अपनाया। रघुनाथ काका जैसे वृद्ध भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले। यह जनसमर्थन गांधीजी के प्रति जनता की आस्था और स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भागीदारी को दर्शाता है।

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक):

15. निबंध – **जन सहयोग से महान कार्य संभव हैं**

जब समाज का हर व्यक्ति एक लक्ष्य के लिए एकजुट होता है, तब कोई भी कार्य असंभव नहीं रहता। इतिहास गवाह है कि भारत को स्वतंत्रता जन सहयोग से ही मिली। महात्मा गांधी ने जब सत्याग्रह का आह्वान किया, तो लाखों लोग उनके साथ जुड़ गए। सबने मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ शांतिपूर्ण आंदोलन चलाया। आज भी जब देश किसी आपदा या चुनौती का सामना करता है, तो जन सहयोग से ही समाधान निकलता है। एकता, सहयोग और सहभागिता से हम कोई भी बड़ी समस्या हल कर सकते हैं। इसलिए कहा गया है – "जन सहयोग से महान कार्य संभव हैं।" यह हमारे समाज की सबसे बड़ी शक्ति है।